# LASER PHOTOCOAGULATION FOR DIABETIC RETINOPATHY
# लेजर से उपचार

## सामान्य जानकारी

लेजर किरणों से पर्दे की विभिन्न बीमारियों का उपचार एक विशिष्ट प्रकार की प्रक्रिया है जिसमें लेजर किरणें पर्दे की बीमारी से ग्रस्त क्षेत्रों में ऊतकों को फोटोकोएगुलेट (Photocogulate) कर बीमारी को या तो ठीक करती है या फिर उसे कम कर देती है।

लेजर किरणें उत्पन्न करने वाली मशीनें उच्च ऊर्जा के उपकरण होती हैं। इनका असुरक्षित तरीके से उपयोग हानिकारक हो सकता है।

हालाँकि आधुनिक लेजर उपकरण अत्यधिक सुरक्षित होते हैं फिर भी लेजर उपचार के कुछ दुष्प्रभाव होते हैं :

1. कुछ मरीजों को उपचार के दौरान अथवा बाद में दर्द हो सकता है। हालाँकि यह दर्द दवाओं से ठीक हो सकता है।
2. कई बार लेजर से पर्दे के सर्वाधिक संवेदनशील भाग (मक्यूला) के ऊतकों को हानि पहुँच सकती है जिससे दृष्टि हानि की संभावना हो सकती है।
   लेजर से आँख के कॉर्निया व आइरिस (पुतली) को भी चोट पहुँच सकती है।
3. लेजर उपचार से पर्दे में कई अन्य बीमारियाँ भी हो सकती हैं, परन्तु ऐसा अत्यधिक व गहन लेजर उपचार से होता है।
4. चूँकि यह प्रक्रिया आँख में दवा डालकर सुन्न करके की जाती है अतः मरीजों का सहयोग परमावश्यक है अतः प्रक्रिया से पहले मरीज अपने सभी संदेह दूर कर ले।
5. लेजर उपचार के बाद कम से कम एक दिन तक आराम करें, फिर अपने रुटीन कार्य में लग सकते हैं।

**डायबिटिक रेटिनोपैथी (Diabetic Retinopathy) के लिए लेजर उपचार :**

1. डायबिटिक रेटिनोपैथी में लेजर उपचार का मुख्य उद्देश्य खोई हुई रोशनी को वापस लौटाना नहीं है अपितु बची हुई रोशनी को कम होने से रोकना है।
2. हालाँकि उपचारके दौरान शुरुआत के कुछ हफ्तों तक नजर कमजोर हो सकती है।
3. लेजर उपचार एक से अधिक Setting में किया जाता है।
4. लेजर उपचार के बाद भी जीवन भर तक मरीज को नियमित (Regular) पर्दे की जाँच करवानी होती है।
5. सबसे मुख्य बात है कि आपका Blood Sugar level पूर्णतया कंट्रोल में रहना चाहिए, यही सबसे महत्वपूर्ण है।
6. पूरे पर्दे का लेजर द्वारा उपचार आपके Visual Field को कम कर सकता है तथा आपकी कई गतिविधियाँ संभव नहीं हो सकतीं हैं, जैसे- रात्रि में कार चलाना आदि।

मैं (मरीज का नाम) ..... अपनी सहमति दायीं/बायीं आँख का ऑपरेशन हेतु देता हूँ एवं सभी बातों को समझ कर व सभी नुकसान या पूर्ण रूप से रोशनी नहीं आने से सहमत हूँ।

मैंने यह सहमति-पत्र पूर्ण होश-हवास में पढ़/सुन लिया है तथा मैं इससे पूर्णतया सहमत हूँ। मैंने उपरोक्त सभी बातों/स्वयं की शंकाओं का समाधान संबंधित डॉक्टर से प्राप्त कर लिया है व इसके उपरान्त अपनी पूर्ण सहमति प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मरीज के हस्ताक्षर

मरीज के रिश्तेदार/गवाह के हस्ताक्षर

संबंधित चिकित्सक के हस्ताक्षर
या चिकित्सालय की मुहर